Q डोमर के आर्थिक वृद्धि मॉडल की व्याख्या करें।

Ans. अमेरिका के प्रो० डोमर (Domar) ने अपने आर्थिक वृद्धि मॉडल में बताया कि विनियोग के कारण जहाँ एक ओर आय का सृजन होता है, वहीं दूसरी ओर उत्पादन क्षमता बढ़ती है। डोमर ने इस बात पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए बताया कि आय वृद्धि और उत्पादन क्षमता में सामानता स्थापित करने के लिए विनियोग में किस दर से वृद्धि होनी चाहिए ताकि पूर्ण रोजगार का स्तर बना रहे। Prof Domar ने इस बात को समझाने के लिए विनियोग के माध्यम से कुल पूर्ति और कुल मांग में संबंध स्थापित किया है।

उत्पादन क्षमता बढ़ने का संबंध पूर्ति से है। यहाँ यह मान लिया जाता है कि विनियोग की वार्षिक दर "I" है और नयी सृजित पूंजी की प्रति रुपया उत्पादन क्षमता 's' है तो विनियोग किये गए I रुपये की उत्पादन क्षमता Is प्रतिवर्ष होगी। यह संभव है कि विनियोग की कुछ मात्रा पुराने विनियोग के स्थान पर हो और दोनों में प्रतिस्पर्धा (competition) हो तो पुरानी मशीनों की उत्पादन क्षमता में कुछ कमी हो।

इसका परिणाम यह होगा कि वार्षिक उत्पादन Is से कुछ कम हो जिसे हम Io द्वारा व्यक्त कर सकते हैं। स्पष्ट है कि Is की तुलना में Io कम होगा।

डोमर के शब्दों में Io उत्पादन में वह वृद्धि है जो अर्थव्यवस्था उत्पादन कर सकती है। इसे उत्पादन में संभावित वृद्धि भी कह सकते हैं। यह पूर्ति पक्ष की व्याख्या है।

Scanned with CamScanner

अब आगे पक्ष पर विचार करें, तो इसे Prof Domar ने Keynes के गुणक (Multiplier) के माध्यम से स्पष्ट किया है। आय में वार्षिक वृद्धि को ΔY द्वारा और विनियोग की वार्षिक वृद्धि को ΔI द्वारा व्यक्त करते हैं तथा सीमान्त बचत प्रवृत्ति (Marginal propensity to save) को α (Alpha) चिह्न द्वारा व्यक्त करते हैं तो आय में वृद्धि होने वाली वृद्धि विनियोग में होनेवाली गुणक वृद्धि के बराबर होगी जिसे एक सूत्र द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं।

$$\Delta Y = \Delta I \frac{I}{\alpha}$$

यहाँ $\frac{I}{\alpha}$ का अर्थ Multiplier (गुणक) से है।

पूर्ण रोजगार संतुलन बनाये रखने के लिए कुल मांग और कुल पूर्ति में समानता रहनी चाहिए। इसे निम्नलिखित सूत्र द्वारा व्यक्त किया जाता है जो Prof Domar की अवधारणा का मूलभूत सूत्र है :-

$$\Delta I \frac{I}{\alpha} = I\sigma$$

इस उपरोक्त सूत्र में चिह्न α सामाजिक औसत विनियोग की शुद्ध सम्भावित उत्पादकता व्यक्त करता है जिसे $\Delta Y/I$ सूत्र द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। यदि दोनों पक्षों को इस विनियोग (I) से विभाजित करें और उसे α से गुणा करें तो यह हल प्राप्त होगा :-

$$\frac{\Delta I}{I} = \alpha\sigma$$

Scanned with CamScanner

$\frac{\Delta I}{I}$ का अर्थ Net Autonomous Investment से है।

उपरोक्त सूत्र से स्पष्ट है कि पूर्ण रोजगार सन्तुलन बनाये रखने के लिए शुद्ध स्वायत्त विनियोग की वृद्धि दर ८० के बराबर होनी चाहिए अर्थात् बचत की सीमान्त प्रवृत्ति × पूंजी की उत्पादकता के बराबर होनी चाहिए। यह विनियोग वृद्धि की वह दर है जो पूर्ण रोजगार सन्तुलन बनाये रखने के लिए उत्पादन क्षमता के प्रयोग के लिए आवश्यक है।

इस प्रकार डोमर मॉडल का भी मुख्य उद्देश्य इस प्रश्न से है कि दीर्घकाल में पूर्ण रोजगार 'आय एवं अधिक विकास को कैसे बनाये रखा जाय?

— Prof Dr. Prashant Kr. Khare
Deptt of Economics
Tata College Chaibasa
K.U.

Scanned with CamScanner